

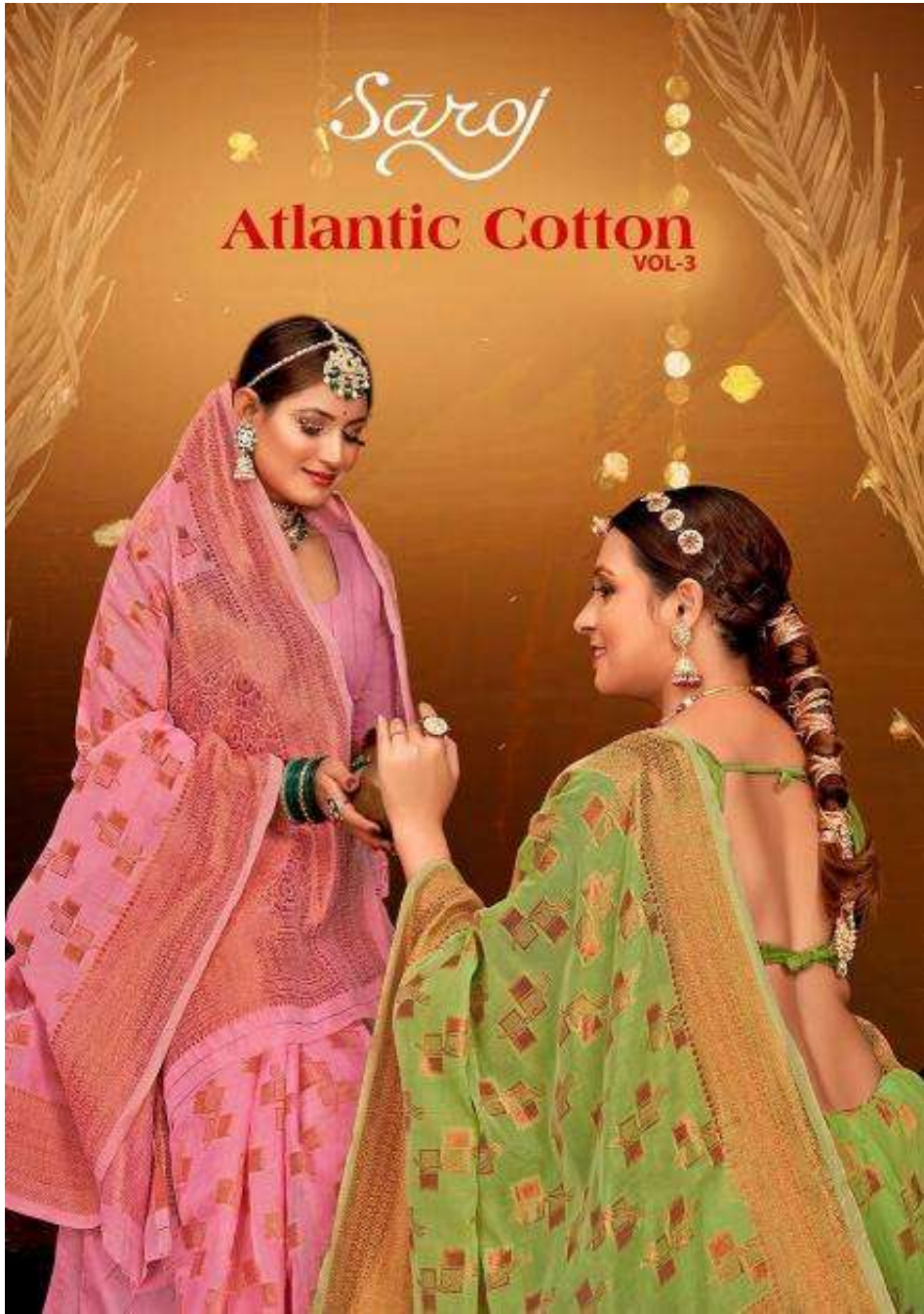


1004

Saroj

Atlantic Cotton

VOL-3





Saroj

1001

1003

1002

1006

1004

1005

वर्ममेको गुणी गुणो, न च मूर्खलतैरपि ।  
एकश्चन्द्रन्तमो इति, न च तारागणैरपि ॥



1001



1002



1003



1004



1005





1006